बृहस्पतिवार
03 अगस्त 2023

पृष्ठ 4

रोजाना करें एक कीवी का सेवन, मिलेंगे कई प्रमुख स्वास्थ्य लाभ

पृष्ठ 5

हंसल मेहता की फिल्म से होश उड़ाएंगी करीना कपूर

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 178
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

पीड़ा से दृष्टि मिलती है, इसलिए आत्मपीड़न ही आत्मदर्शन का माध्यम है!
– महावीर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

चाकुओं से गोदकर पति-पत्नी की हत्या, वृद्धा को किया घायल

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। घर में घुस कर कल देर रात पति-पत्नी की चाकुओं से गोद कर हत्या कर दी गयी। हो हल्ला सुनकर जब मृतका की वृद्ध मां उसे बचाने आयी तो हमलावर द्वारा उसे भी चाकुओं से गोदकर घायल कर दिया गया। जिसके बाद हमलावर दम्पत्ति के पुत्र को धक्का देकर फरार होने में कामयाब रहा। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर घायल वृद्धा को अस्पताल पहुंचाया। जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। दोहरे हत्याकांड से क्षेत्र में भय का माहौल है।

जानकारी के अनुसार ट्रांजिट कैम्प थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या सात आजादनगर में बीती रात घर में घुसकर एक हमलावर ने पति पत्नी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे दोनो की मौके पर ही मौत हो गयी। बताया जा रहा है कि मृतक संजय यादव मूल रूप से यूपी के आजमगढ़ का रहने वाला था और वह घर जवांई बनकर पत्नी सोनाली के साथ उसके मायके में ही रह रहा था। सजंय व सोनाली की चीख पुकार सुनकर जब सोनाली की वृद्ध मां गौरी मंडल उन्हे बचाने के लिए आयी तो हमलावर ने उस पर भी चाकुओं से हमला कर दिया। जिसके बाद हमलावर दम्पति के पुत्र जय को धक्का देकर फरार हो गया।

घटना के दौरान चीख पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों द्वारा मामले की सूचना पुलिस को दी गयी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनो शवों को कब्जे में लेकर गौरी मडंल को अस्पताल पहुंचाया जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। दोहरे हत्याकांड की इस वारदात से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। जबकि शांति व्यवस्था के मद्देनजर घटनास्थल के आस पर भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गयी है। बताया जा रहा है कि मृतक दम्पत्ति सिडकुल की किसी कम्पनी में काम करते थे।

वहीं हमलावर के विषय में मृतक के पुत्र जय का कहना है कि वह पहले पड़ोस में ही किसी महिला के साथ किराये पर रहता था। बहरहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पेट्रोल पम्प कर्मचारी से मारपीट में दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पेट्रोल पम्प कर्मचारी के साथ लाठी डण्डों से हमला कर मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया जबकि अन्य की तलाश जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुलवेंद्र पुत्र दीपचंद निवासी खेड़ी शिकोहपुर थाना भगवानपुर हरिद्वार द्वारा थाना प्रेमनगर पर एक शिकायत दर्ज कराई गई थी वह पेट्रोल पम्प में काम करता है। आजं कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उसके साथ फिलिंग स्टेशन खैरीगांव में लाठी-डंडों से हमला कर जान से मारने की धमकी दी। जिसके संबंध में तत्काल थाना प्रेमनगर पर मुकदमा दर्ज किया गया। तत्काल मुख्य दो लोगों को पुलिस हिरासत में लेकर उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की गई है व घटना में प्रयुक्त गाड़ियों को बरामद कर सीज किया गया है। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम प्रिंस उर्फ सूर्यप्रकाश व सागर बताये। शेष आरोपियों के खिलाफ टीमें तत्काल रवाना करके उनके हिरासत में लिया जाना सुनिश्चित किया जाएगा व सभी आरोपियों के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नूंह में राज्य सरकार ने 3 घंटे के लिए इंटरनेट प्रतिबंध में दी छूट !

चंडीगढ़ । हरियाणा के नूंह और गुरुग्राम में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद राज्य सरकार तेजी से हालात को सामन्य बनाने में लगी हुई है। जानकारी के अनुसार सूबे की मनोहर लाल खट्टर सरकार हिंसा और तनाव वाले क्षेत्रों में और ज्यादा फोर्स भेज रही है ताकि स्थितियां तेजी से सामान्य हो सकें और उपद्रवियों की धर-पकड़ में तेजी आ सके। नूंह में हुई हिंसा के बाद अब हालात सामान्य करने की कोशिशें तेज हो गई हैं। गुरुवार को राज्य सरकार ने 3 घंटे के लिए इंटरनेट प्रतिबंध में छूट दी है। सोमवार को हुई हिंसा के बाद नूंह, फरीदाबाद, गुरुग्राम और पलवल के कुछ इलाकों में इंटरनेट बंद करवा दिया गया था।राज्य सरकार ने ग्रुप-सी के पदों के लिए सीईटी स्क्रीनिंग टेस्ट आवेदकों के लिए यह छूट दी है। दोपहर 1 से 4 बजे तक के लिए इंटरनेट इन इलाकों में सामान्य रूप से चलेगा। स्थानीय प्रशासन ने सोमवार को नूंह में हुए बवाल के बाद आसपास के इलाकों में मोबाइल इंटरनेट पर रोक लगा दी थी, ताकि किसी भी तरह की अफवाह ना फैल पाए। हिंसा के मामलों में राज्य पुलिस का एक्शन तेज है, अभी तक नूंह और आसपास के इलाकों में हुई हिंसा में कुल 83 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

ज्ञानवापी मस्जिद के एएसआई सर्वे को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दी हरी झंडी

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी की याचिका को खारिज करते हुए ज्ञानवापी मस्जिद के एएसआई सर्वे को हरी झंडी दे दी है। दरअसल, 21 जुलाई को वाराणसी जिला जज ने ज्ञानवापी के एएसआई सर्वे का आदेश दिया था। मुस्लिम पक्ष ने पहले सुप्रीम कोर्ट फिर हाईकोर्ट में एएसआई सर्वे के फैसले को चुनौती दी थी। अब हाईकोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा, न्यायहित में एएसआई का सर्वे जरूरी है। कुछ शर्तों के तहत इसे लागू करने की आवश्यकता है। दरअसल, पिछले दिनों जिला जज एके विश्वेश ने शुक्रवार

को मस्जिद परिसर का वैज्ञानिक सर्वे कराने का आदेश दिया था। एएसआई को 4 अगस्त तक सर्वे की रिपोर्ट वाराणसी की जिला अदालत को सौंपनी थी। इसी आदेश के बाद एएसआई की टीम सोमवार को ज्ञानवापी का सर्वे करने पहुंची थी। लेकिन मुस्लिम पक्ष ने इस सर्वे पर रोक की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने सर्वे पर दो दिन के लिए रोक लगाते हुए मस्जिद कमेटी को हाईकोर्ट जाने को कहा था। इसके बाद मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट का रुख किया था। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी।

इमाम ईदगाह मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने ज्ञानवापी के सर्वे के आदेश पर कहा कि मुस्लिम पक्ष इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगा। उन्होंने कहा, कोर्ट ने मस्जिद को नुकसान पहुंचाने को मना किया है, इसका भी ध्यान रखा जाए। हम जल्द इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। हिंदू पक्ष के वकील विष्णू शंकर जैन ने कहा, हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया है। साथ ही कहा है कि एएसआई सर्वे शुरू होना चाहिए और जिला अदालत का फैसला तत्काल प्रभाव से लागू है।

दून वैली मेल

संपादकीय

भ्रष्टाचार पर धामी का वार

भ्रष्टाचार यूं तो एक गंभीर राष्ट्रीय समस्या है लेकिन उत्तराखंड राज्य के लिए यह अति गंभीर समस्या इसलिए बनी रही है क्योंकि उत्तराखंड के नेताओं ने राज्य गठन के बाद खुद को भ्रष्टाचारी व्यवस्था का हिस्सा बना दिया और उन्होंने भी दोनों हाथों से जमकर लूटपाट की। राज्य के पहले 3 विधानसभा चुनावों में राज्य का भ्रष्टाचार सबसे प्रमुख मुद्दा भी इसलिए बनता रहा। भाजपा और काग्रेस के नेता एक समय में एक दूसरे के कार्यकाल में हुए घपले-घोटालों की सूचियां लेकर घूमते थे और मतदान स्थलों पर भ्रष्टाचार के मामलों की लिस्टे व बड़े-बड़े होर्डिंग लगाए जाते थे। ऐसा नहीं है कि अब राज्य में भ्रष्टाचार समाप्त हो गया है लेकिन अब स्थितियों में थोड़ा फर्क जरूर आया है। यह फर्क है भ्रष्टाचार के खिलाफ होने वाली कार्यवाहियों का। निसंदेह पुष्कर सिंह धामी के सीएम बनने के बाद उन्होंने प्रकाश में आए भर्ती घोटालों, रजिस्ट्री ऑफिस में होने वाली हेराफेरी से लेकर अन्य कई पुराने मामलों पर सख्त एक्शन लेते हुए कई वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों को जेल भिजवाने का काम किया है। अब ऐसा नहीं रहा है कि तुम हमारे मामलों पर चुप रहोगे और हम तुम्हारे मामलों में कुछ नहीं करेंगे और बोलेंगे? धामी के कार्यकाल में अब तक 10 अधिकारी और कर्मचारी ही जेल नहीं पहुंच चुके हैं अपितु कई नेताओं को भी हवालात की हवा खानी पड़ी है। पेपर लीक मामले में खुद उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ जिस तरह की कार्रवाई की गई वह उनके गंभीर प्रयासों को ही दर्शाती है। पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने भले ही सीएम बनने के बाद भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात प्रचारित की हो लेकिन एनएच जमीन घोटाले की सीबीआई जांच की मांग पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के एक पत्र ने उनके जीरो टॉलरेंस की हवा निकाल दी थी। वह अपने विधानसभा के पहले सत्र में जो लोकायुक्त प्रस्ताव लाए वह भी अभी तक धूल फांक रहा है। त्रिवेंद्र सिंह रावत जो खुद ढांचा बीच घोटाले के आरोपी रहे हैं उनसे यह भी उम्मीद नहीं की जा सकती थी कि वह भ्रष्टाचार रोकने के लिए कोई कारगर पहल कर पाते। भ्रष्टाचार के मामलों और उनकी जांच को लेकर जिस तरह का रवैया सरकारों और अधिकारियों का रहा है उसे इस बात से समझा जा सकता है कि 2016-17 के बीज घोटाले की जांच फाइल जिसमें इसकी जांच एसआईटी से कराने की संस्तुति की जानी थी 2020 में अपर सचिव रामविलास यादव की टेबल पर भेजी गई और वह हमेशा-हमेशा के लिए गायब हो गई। खास बात यह है कि इस फाइल के गायब होने की रिपोर्ट दर्ज कराकर अधिकारियों ने अपना पल्ला झाड़ लिया और जांच या कार्यवाही होने की बात भी हमेशा-हमेशा के लिए दफन हो गई। दरअसल इस राज्य की सच्चाई भी यही है कि आज तक कोई जांच न अंतिम मुकाम तक पहुंची है न कोई नेता जेल गया। नेताओं और अधिकारियों के बीच भले ही किसी मामले में तालमेल बैठा हो या न बैठा हो लेकिन इस मामले में वह कदम ताल मिलाने में कभी भी पीछे नहीं रहे। अब सीएम धामी ने उन तमाम अधिकारियों की सूची तलब की है जो भ्रष्टाचार के मामलों में जांच के घेरे में हैं मगर जांच है कि आगे बढ़ ही नहीं रही है। धामी की इस पहल के बाद जांच आगे बढ़ेगी ऐसी उम्मीद की जा सकती है।

अमेजोन से ग्रीन टी मंगाना पड़ा महंगा, 28000 की लगी चपत

संवाददाता

देहरादून। अमेजोन सें ग्रीन टी मंगाना महंगा पड गया और खाते से 28 हजार रूपये निकल गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नामदेव कालोनी निवासी असमा उसमानी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अमेजोन से ग्रीन टी मंगाई थी जो कि दिनाँक 8 जुलाई 23 से 12 जुलाइ के अन्तर्गत आनी थी । फिर 13 जुलाई को उसने अमेजोन की आईडी से ट्रेकिंग आईडी नम्बर प्राप्त हुआ। उसे खोजने पर डीटीडी सी की वेबसाइड खुली जिससे एक कॉल सेंटर का नम्बर प्राप्त हुआ । उस नम्बर पर बात करने पर बताया गया कि उनका सामान रोक दिया गया है और आपको दो रुपये की धनराशि गूगल पे के माध्यम से देनी होगी। तो उसने कहा कि उसका आर्डर को रद्द कर दिया जाये। तब उसने आललाईन माध्यम से पैसे जमा कर दिये। जब गूगल पे के माध्यम से 02 रुपये की धनराशि जमा नही हुई तो उसने व्हटसएप माध्यम से एक लिंक भेजा। लिंक (बेस एपीके) पर क्लीक करने पर एक पेज खुला, जिसमे उसने अपना नाम व मोबाइल नम्बर भरा। जिसके बाद उसके खाते से पांच बार 5-5 हजार रूपये व एक बार तीन हजार रूपये (28 हजार रूपये) निकल गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अमृतं जातवेदसं तिरस्तमांसि दर्शतम्।
घृताहवनमीड्यम्।।
(ऋग्वेद ८-७४-५)

हमें उस परमेश्वर को प्राप्त करना है जो मृत्यु से परे है, जो अंधकार से परे है। परमेश्वर हमारे जीवन के मलों को निकालकर हमें निर्मल कर देता है। ऐसा परमेश्वर ही स्तुति के योग्य है।

कांग्रेस सेवादल ने फूंका केन्द्र सरकार का पुतला

संवाददाता

देहरादून। मणिपुर की घटना से आक्रोशित कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ताओं ने केन्द्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उसका पुतला फूंका।

आज यहां उत्तराखंड कांग्रेस सेवादल प्रदेश प्रवक्ता अशोक मल्होत्रा ने बताया कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा के आह्वान पर देहरादून के तुनवाला शमशेरगढ़ में उत्तराखंड कांग्रेस सेवादल प्रदेश अध्यक्ष हेमा पुरोहित व कांग्रेस सेवा दल के पदाधिकारियों द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मणिपुर में महिलाओं व बच्चियों साथ हुई हिंसा व दुराचार कि घटना की घोर निंदा की व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ध्यान उक्त घटना की ओर दिलवाया।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष हेमा पुरोहित ने कहा मणिपुर में हुई घटना से सभी महिलाओं व आमजन में काफी आक्रोश है। बैठक को प्रदेश उपाध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने संबोधित करते हुए कहां के मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए। प्रदेश सचिव प्रवीण पुरोहित ने कहा इस घटना से सभी स्तब्ध

है। प्रदेश प्रवक्ता अशोक मल्होत्रा ने कहा पूरे देश में हर तरफ हिंसा व महिलाओं से बलात्कार की घटनाओं से देश वासियों में काफी आक्रोश है जब हमारे देश में बच्चियां ही महफूज नहीं है तो हमारे लिए बहुत शर्म की बात है। एक और तो हम कहते हैं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड प्रदेश अध्यक्ष आर्यन राठौर ने कहा कि यह घटना बहुत ही निंदनीय है मगर मोदी अभी भी मौन है।

प्रदेश सचिव राजकुमार यादव, अखलाक व अनीस ने कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। बैठक के बाद जुलूस निकालकर केन्द्र सरकार का पुतला दहन भी करा गया।

बैठक में रेनू रोहिल्ला, बबीता बिड़ला, हेमंत चंदोला, राजेश नौटियाल, मोहन सिंह रावत, शालिनी, योगिता बिष्ट, रेनू चुरारा, शरद शर्मा, दिनेश कांडपाल, ललित थपलियाल, कुंदन रावत, जीवन सोमपाल, पुष्पी कमला, नरेश उपाध्याय, संतोष तोमर आदि उपस्थित हुए।

जिपंस की प्रदर्शन की धमकी से नौकरशाह हुए सक्रिय,धरना स्थगित

संवाददाता

पिथौरागढ। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया के सदन में धरना प्रदर्शन की धमकी के बाद नौकरशाह सक्रिय हो गये जिसके बाद धरना प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया।

आज यहां जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया की सदन के भीतर ध रना प्रदर्शन की धमकी के बाद नौकरशाह सक्रिय हो गए। सदन की बैठक शुरु होते ही जिला पंचायत सदस्य मर्तोलिया ने सामान्य बैठकों की उपयोगिता पर सवाल उठाए। कहा कि सदन की लगातार अवमानना हो रही है। मुख्य विकास अधिकारी वरुण चौधरी ने 6 विभागों को एक-एक करके सदन में उठाकर इन मामलों पर बातचीत कराई। इसलिए धरना

प्रदर्शन को स्थगित कर दिया गया। दो विभागो स्वास्थ्य, शिक्षा ने चार महिने के बाद जबाव दिया।

मुनस्यारी पेयजल योजना का मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए इस मामले में कोई चर्चा नहीं की गई। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग में अपने द्वारा कार्यवाही के बारे में बताया। जिस पर जिपंस जगत मर्तोलिया द्वारा असंतोष व्यक्त किया गया। सीडीओ ने जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी को अंतिम निर्णय दिए जाने का निर्देश दिया। वन विभाग का कोई भी अधिकारी मौजूद नहीं था। मुख्य विकास अधिकारी ने वन विभाग से संबंधित शिकायत का निवारण स्वंय करने की बात कही। पर्यटन विभाग से संबंधित मामले को लेकर उत्तराखंड शासन को तत्कालीन जिला पर्यटन अधिकारी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करने को लेकर प्रस्ताव भेजने की बात पर सहमत हुई।

दुपहिया वाहन चोर गिरफ्तार, साथी फरार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। दुपहिया वाहन चोरी के मामलों का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर को चोरी की एक्टिवा सहित गिरफ्तार किया है। जिसकी निशानदेही पर चुरायी गयी अन्य 6 बाइक भी बरामद की गयी है। हालांकि इस दौरान उसका एक साथी फरार होने में सफल रहा जिसकी तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपी व उसका फरार साथी नशे के आदी है जो नशे की लत पूरा करने के लिए दुपहिया वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया करते थे।

एसपी क्राइम/ट्रैफिक रेखा यादव ने बताया कि बीती 26 जुलाई की रात अज्ञात चोरों द्वारा ज्वालापुर से एक स्कूटी चोरी की गयी थी। जिसका मुकदमा ज्वालापुर कोतवाली में दर्ज कराया गया था। मामले में पुलिस चोरों की तलाश में जुटी हुई थी। इस दौरान बीती शाम पुलिस ने एक सूचना के आधार पर रानीपुर झाल के पास चैकिंग अभियान चलाया गया।

इस दौरान पुलिस ने एक आरोपी मौहम्मद नावेद को उक्त चोरी एक्टिवा के साथ दबोचा गया। हालांकि इस दौरान उसका एक साथी फरार होने में सफल रहा जिसकी तलाश जारी है। पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी नावेद और उसका साथी नशे के आदी हैं। अपने इन्ही नशे के शौक को पूरा करने के लिए दोनों सिटी क्षेत्र से दोपहिया वाहन चोरी कर विभिन्न पार्ट्स को ओने पोने दामों में बेच देते थे। पुलिस ने नावेद की निशानदेही पर मुख्य हरिद्वार, रानीपुर, बहादराबाद, सिड़कुल आदि क्षेत्रों से चुराई गए कुल 6 अन्य दोपहिया वाहन भी बरामद किए गये है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

क्या चोटी बनाने से लंबे होते हैं बाल ?

क्या आपने किसी को यह कहते हुए सुना है कि चोटी बनाने से बाल लंबे और मजबूत होंगे? महिलाएं लंबे बालों के लिए ऑयल मसाज, ट्रिमिंग, हेयर स्पा सहित कई तरीके आजमाती हैं। लेकिन बहुत ही कम महिलाएं यह जानती हैं कि हेयर स्टाइल से भी बाल लंबे होते हैं।

दरअसल, हम सभी अपने बालों को स्वस्थ और सुरक्षित रखना चाहते हैं। इसके लिए हम महंगे शैंपू, हेयर स्पा और हर्बल शैंपू का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन महज एक हेयर स्टाइल से भी बालों को लंबा और मजबूत बनाया जा सकता है। दरअसल बालों की चोटी बनाने से हेयर फॉल सहित अन्य समस्याएं कम होती हैं।

चोटी बनाने से कैसे बढ़ते हैं बाल?

हम बचपन से ही दादी और नानी से अक्सर सुनते आ रहे हैं कि चोटी बनाने से बाल बढ़ते हैं। लेकिन कम ही लोगों को इस बात पर यकीन होता है। स्टडी में पाया गया है कि हेयर टैप या चोटी बनाने से बाल बढ़ते हैं। दरअसल, चोटी बनाने से बाल एक जगह इकट्ठा हो जाते हैं और कम टूटते हैं। इसके अलावा बालों में खिंचाव कम होता है और ये तेजी से विकास करते हैं। इसलिए बालों को खुले रखने के बजाय चोटी बनाना चाहिए।

बाल उलझने से बचाए

खुले बाल बहुत जल्दी उलझ जाते हैं और टूटने लगते हैं। इसके अलावा ये धूल, मिट्टी और गंदगी के संपर्क में आते हैं। इसके कारण बाल कमजोर और ड्राई हो जाते हैं। बालों की चोटी बनाने से ये कम उलझते हैं और तकिया लगाने पर इनमें तनाव भी कम होता है।

स्कैल्प पर प्रभाव

बालों की चोटी बनाने के फायदे के साथ नुकसान भी है। बालों को अधिक टाइट रखने से हेयर फॉल होता है। इसके अलावा गलत तरीके से चोटी बनाने से स्कैल्प और बालों पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है जिसे ट्रैक्शन एलोपेसिया कहा जाता है।

लंबे और मजबूत बालों के लिए टिप्स

स्वस्थ और लंबे बालों के लिए अपनी लाइफस्टाइल और डाइट को बेहतर रखना बेहद जरूरी है। बालों का विकास जेनेटिक और पोषक तत्वों पर निर्भर करता है।

*हेल्दी जीवनशैली अपनाने और अधिक मात्रा में पोषक तत्वों का सेवन करने से बाल मजबूत होते हैं।

*हर हफ्ते में बालों में तेल लगाकर मसाज करें। इससे बालों को पोषण मिलता है और बाल हेल्दी और लंबे होते हैं।

*बालों के विकास के लिए अच्छी नींद भी बेहद जरूरी है।

*तनाव कम लें और हमेशा खुश रहने की कोशिश करें। ये स्वस्थ बालों के लिए जरूरी है।

*हफ्ते में एक बार घर पर बने हेयर मास्क का उपयोग जरूर करें। इससे बालों को पोषण मिलता है।

जिन्हें हर समय जम्हाई आती है, वे हैं इन समस्याओं का शिकार

रात को गहरी नींद लेने के बाद भी कुछ लोगों को दिनभर नींद आती रहती है। वहीं, कुछ लोग पूरा आराम करने के बाद भी हर समय थका-थका महसूस करते हैं। अगर आप इन लोगों में से तो आपको अपनी सेहत पर ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि बहुत अधिक नींद आना या बहुत अधिक थकान होना आपकी गिरती सेहत की निशानी हैं...

क्यों आती रहती है हर समय नींद?

-जब शरीर से अधिक दिमाग थक जाता है, तब भी बहुत अधिक नींद आती है। अगर आपको लगता है कि आप लगातार कई घंटों तक एक ही जगह बैठे रहते हैं। या आप कंप्यूटर संबंधित जॉब में हैं तो आपके साथ यह समस्या होने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

-क्योंकि इस तरह दिनभर काम करने से एक वक्त बाद आपका ब्रेन और आंखें बहुत अधिक थक जाते हैं, जबकि शारीरिक गतिविधि के अभाव में शरीर में दूसरी तरह की दिक्कतें पनपने लगती हैं।

अधिक नींद आने के सेहत से जुड़े कारण

-कुछ लोगों को अधिक नींद कई शारीरिक समस्याओं के कारण भी आती है। इनमें रेस्टलेस लेग, किडनी की समस्या, थायरॉइड से जुड़ी दिक्कतें, किसी दवाई को लंबे समय से लेते रहने के बाद उसे बंद कर देना आदि शामिल हैं।

टाइमटेबल का अभाव

-जिन लोगों के सोने और जागने का कोई निश्चित समय नहीं होता है, उन्हें भी नींद से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए एक हेल्दी लाइफ के लिए यह जरूरी हो जाता है कि आप खाने-पीने और सोने-जागने का एक निश्चित समय निर्धारित करें।

सही डायट का ना होना

-कुछ लोग कैफीन युक्त पदार्थों का अधिक सेवन करते हैं तो कुछ लोगों को बहुत अधिक ऑइली और स्पाइसी फूड खाना पसंद होता है। इस तरह का भोजन भी हमारे नींद के साइकल को बाधित करता है। क्योंकि यह पाचन को सही नहीं रहने देता और अगर पेट ठीक ना हो तो शरीर की थकान कभी उतर ही नहीं सकती।

मोटापा घटाना है तो जान लें पानी पीने का यह सही तरीका

खराब लाइफस्टाइल और खानपान के कारण लोग तेजी से मोटापे का शिकार हो रहे हैं। वजन घटाने के लिए लोग एक्सरसाइज और डाइटिंग सहित कई तरीके आजमाते तो हैं लेकिन तब भी वजन कम नहीं हो पाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि पानी पीकर भी बहुत आसान से वजन घटाया जा सकता है। हालांकि इसके लिए आपके पानी पीने का तरीका थोड़ा अलग होना चाहिए।

स्टडी में पाया गया है कि बॉडी पर पानी का पॉजिटिव असर पड़ता है। पानी में कैलोरी की मात्रा नहीं पायी जाती है। यह बॉडी को एक्टिव रखता है और विषाक्त पदार्थों को शरीर से बाहर निकालता है। इसके साथ ही फैट बर्न करने में मदद करता है। आइए जानते हैं आसानी से वजन घटाने में पानी किस तरह मदद करता है।

क्या कहता है रिसर्च

अधिक वजन वाले अमेरिकी बच्चों पर किए गए रिसर्च में पाया गया कि ठंडा पानी पीने से 25 प्रतिशत तेजी से कैलोरी बर्न होती है। हर 1० मिनट बाद एक कप पानी पीने से बॉडी एक्टिव रहती है और भूख भी कम लगती है।

दरअसल, पानी पीने के बाद बॉडी के सभी सिस्टम तेजी से काम करते हैं। इस दौरान फैट बर्न करने के लिए शरीर को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। इससे वजन कंट्रोल रहता है और अतिरिक्त चर्बी खत्म हो जाती है।

भोजन से पहले पिएं पानी

आमतौर पर भोजन से पहले पानी पीने से भूख कम लगती है। कई प्रतिभागियों पर किए गए रिसर्च में पाया गया कि खाना खाने से पहले अधिक पानी पीने वालों का 44 प्रतिशत अधिक वजन कम हुआ। जबकि भोजन के तुरंत बाद पानी पीने वालों का वजन बढ़ गया। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि वजन घटाने के लिए भोजन से पहले पानी पीना फायदेमंद है।

बार-बार भूख लगने से पाएं छुटकारा

तेजी से वजन घटाने के लिए भोजन से पहले एक कप पानी पीना फायदेमंद होता है। यह भूख को कम करता है जिससे आपको बार-बार भोजन करने की इच्छा नहीं होती है। हालांकि आप धीरे-धीरे पानी की मात्रा बढ़ा सकते हैं। यह एक ऐसा फॉर्मूला है जो बच्चे, वयस्क और बुजुर्ग सभी में मोटापे की समस्या को कम करने में मदद करता है।

नाश्ते से पहले पिएं खूब सारा पानी

स्टडी में पाया गया है कि यदि आप ब्रेकफास्ट से पहले पानी पीते हैं, तो पेट भरा होने के कारण भोजन के दौरान कैलोरी की मात्रा 13 प्रतिशत घट जाती है। पानी में कैलोरी नहीं होती है और यह तेजी से फैट बर्न करता है। वजन घटाने के लिए हैवी नाश्ता करने के बजाय खूब सारा पानी पीना चाहिए। इससे न सिर्फ वजन कंट्रोल होता है बल्कि आपके चेहरे पर भी चमक आती है। पानी पीकर वजन घटाना बेहद आसान है। अगर आप एक्सरसाइज और डाइटिंग से ऊब चुके हैं तो यह फॉर्मूला जरूर अपनाएं।

बच्चों को चॉकलेट खिलाने के फायदे !

हर उम्र के लोगों को चॉकलेट बहुत पसंद आती है और बच्चों की बात करें तो चॉकलेट देखकर उनके चेहरे पर एक अनमोल मुस्कान आ जाती है। अक्सर माना जाता है चॉकलेट खाने से बच्चों के दांत खराब हो जाते हैं और बच्चों को चॉकलेट खिलाना सही नहीं है।

लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। बच्चों को चॉकलेट खाने से कई तरह के फायदे होते हैं जिनके बारे में आज हम आपको यहां बताने जा रहे हैं। इन फायदों को जानने के बाद आप भी अपने बच्चे को चॉकलेट खिलाना शुरू कर देंगीं।

याददाश्त बढ़ाती है

डार्क चॉकलेट मस्तिष्क में मौजूद फ्लेवेनोएड्स को ट्रिगर करने में अहम भूमिका निभाती है। जब ये तत्व उत्तेजित होते हैं तो शिशु की ध्यान लगाने की क्षमता और याददाश्त दोनों बढ़ती है।

स्किन प्रॉब्लम्स

अगर आपके बच्चे को स्किन से जुड़ी कोई प्रॉब्लम है या उसकी त्वचा स्वस्थ नहीं रहती है तो चॉकलेट की मदद से ये परेशानी दूर हो सकती है। चॉकलेट एक्ने पैदा किए बिना स्किन को हेल्दी बनाने का काम करती है।

चॉकलेट में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो बच्चों के शरीर में फ्री रेडिकल्स को हटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट शरीर को अंदर से नुकसान पहुंचाने से रोकते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर

डार्क चॉकलेट को कई तरह से हेल्दी माना जाता है। इसमें कई तरह के खनिज

पदार्थ जैसे कि सिलेनियम, जिंक, पोटैशियम, मैग्नीशियम, आयरन आदि होते हैं। इस वजह से भी आपको अपने बच्चों को चॉकलेट खिलानी चाहिए।

दांत रहते हैं स्वस्थ

बच्चों के चॉकलेट खाने को लेकर एक बात बहुत प्रचलित है और वो ये है कि चॉकलेट खाने से बच्चों के दांत खराब हो जाते हैं जबकि ऐसा नहीं है। दरअसल, चॉकलेट खाने से दांतों पर जमा प्लाक कम होता है।

दिमाग तेज होता है

चॉकलेट खाने से शरीर में रक्त प्रवाह तेज होता है। इससे बच्चों के मस्तिष्क के कार्य में भी सुधार आता है। अधिकतर डार्क चॉकलेट में ट्रिप्टोफेन होता है जो कि मूड को सुधारने और शरीर में स्ट्रेस को कम करने में मदद करता है।

बच्चों के चॉकलेट ज्यादा खाने पर क्या होता है

हर चीज को एक सीमित मात्रा में ही खाना सही रहता है। यदि बच्चे अधिक मात्रा में चॉकलेट खा लें तो इससे चॉकलेट में मौजूद कैफीन के कारण रात का ठीक से नींद न आने की समस्या हो सकती है।

कई बार चॉकलेट खाने से बच्चों को मीठा खाने की लत लग जाती है जिससे वो हेल्दी चीजें खाने में आनाकानी करते हैं। चॉकलेट में मौजूद कोकोआ बटर और अन्य चीजें बच्चे को मोटापे का शिकार बना सकती हैं।

हर उम्र के बच्चों और वयस्कों के लिए चॉकलेट की सेवन की मात्रा अलग होती है। निश्चित तौर पर ऐसा नहीं कहा जा सकता कि प्रतिदिन बच्चों के लिए कितनी मात्रा में चॉकलेट खाना सुरक्षित रहता है।

कुछ और गारंटियां चाहिए

अर्थव्यवस्था का मूल्य बढ़ना और उसके आधार पर विश्व में दर्जा बढ़ना एक सामान्य प्रक्रिया है। इसका श्रेय कोई नेता ले, तो उससे एक अजीबोगरीब संदेश जाता है। बहरहाल, अब प्रधानमंत्री से अपेक्षित है कि वे कुछ अन्य गारंटियां भी दें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उनके तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने इसे मोदी की गारंटी के रूप में लेने को कहा। 2019 में चुनाव जीतने के बाद मोदी ने अपने मौजूदा कार्यकाल में भारत की पांच ट्रिलियन की इकॉनमी बनाने का लक्ष्य घोषित किया था। लेकिन अब जबकि कार्यकाल अपने समाप्ति की तरफ है, अभी देश की अर्थव्यवस्था चार ट्रिलियन की भी नहीं हुई है।

वैसे भी अर्थव्यवस्था का मूल्य बढ़ना और उसके आधार पर विश्व में किसी देश का दर्जा बढ़ना एक सामान्य प्रक्रिया है। इसका श्रेय कोई नेता ले, तो उससे एक अजीबोगरीब संदेश ही जाता है। हकीकत यह है कि आज भी अगर प्रति व्यक्ति जीडीपी के पैमाने पर देखें, भारत का स्थान दुनिया में 128वां है। बहरहाल, चूंकि प्रधानमंत्री ने एक गारंटी दी है, जिसका चुनावी महत्त्व है, तो यह अपेक्षित है कि वे कुछ अन्य गारंटियां भी दें। मसलन, यह कि देश में बढ़ने वाली संपदा का अधिक न्यायोचित वितरण सरकार सुनिश्चित नहीं करती है, तो अर्थव्यवस्था में वृद्धि आम लोगों के लिए बेमतलब ही बनी रहेगी।

प्रधानमंत्री से अपेक्षा है कि वे इसके लिए एक विश्वसनीय योजना पेश करें। ऐसा करते हुए उन्हें कुछ खास समस्याओं पर अवश्य ध्यान देना चाहिए। मसलन, इनसानों से सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई करवाना बंद करने की सालों से उठ रही मांगों के बावजूद यह अमानवीय काम आज भी जारी है। खुद मोदी सरकार ने यह संसद में माना है और बताया है कि इसमें हर साल कई लोगों की जान जा रही है। लोकसभा के चालू सत्र में ही सरकार ने बताया है कि पिछले पांच सालों में सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई करने के दौरान पूरे देश में 339 लोगों की मौत के मामले दर्ज किये गए। इसका मतलब है इस काम को करने में हर साल औसतन 67.8 व्यक्तियों की जान गई। कानून के मुताबिक सफाई एजेंसियों के लिए सफाई कर्मचारियों को सुरक्षात्मक उपकरण देना अनिवार्य है, लेकिन एजेंसियां अक्सर ऐसा करती नहीं हैं। क्या इस स्थिति के रहते तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने से देश का गौरव सचमुच बढ़ सकेगा? (आरएनएस)

भाजपा क्यों नहीं खत्म कर पाती गतिरोध?

संसद में पहले भी गतिरोध होते थे लेकिन न तो इतने लंबे समय तक टकराव चलता था, न इतनी संख्या में सांसद निलंबित होते थे और न संसद भवन परिसर में इतना प्रदर्शन होता था। आखिर टकराव इतना क्यों बढ़ गया है और यह खत्म क्यों नहीं होता है? इसके पीछे अगर कोई राजनीति है तो वह बहुत डीप सीक्रेट है, जिसके बारे में किसी को अंदाजा नहीं है। लेकिन संसदीय राजनीति को लंबे समय तक देखने वाले सभी लोग इस बात को समझ रहे हैं कि सरकार की कोई वास्तविक मंशा टकराव खत्म कराने की नहीं है। आखिर संसद के सुचारू संचालन की जिम्मेदारी सरकार की होती है। अगर संसद सुचारू रूप से नहीं चल रही है तो इसका मतलब है कि सरकार की कोई अलग मंशा है।

असल में पिछले कुछ समय में पक्ष और विपक्ष के सांसदों के बीच अनौपचारिक बातचीत लगभग पूरी तरह से बंद हो गई है। पहले अनौपचारिक बातचीत का चैनल हमेशा खुला होता था। पक्ष और विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं के बीच अनौपचारिक बातचीत होती थी। सांसद सेंट्रल हॉल में एक दूसरे से सहज भाव से मिलते जुलते थे। अनौपचारिक चर्चाओं से कई गतिरोध दूर करने में आसानी होती थी। इसके अलावा संसदीय कार्य मंत्री ऐसे नेता को नियुक्त किया जाता था, जिसका विपक्षी पार्टियों के नेताओं से निजी तौर पर अच्छा संबंध हो।

भाजपा की ओर से प्रमोद महाजन से लेकर वेंकैया नायडू और अनंत कुमार तक यह जिम्मेदारी निभा चुके हैं। ये सारे नेता लंबे समय तक दिल्ली की राजनीति करने वाले थे। अब प्रहलाद जोशी संसदीय कार्यमंत्री हैं, जिनका समूचा अनुभव कर्नाटक की राजनीति का है और वहां भी वे महत्वपूर्ण नेताओं में नहीं गिने जाते हैं। इस वजह से भी गतिरोध दूर करने का उपाय नहीं निकलता है। ऐसा नहीं है कि वे अनजाने में संसदीय कार्य मंत्री बन गए हैं या अनजाने में अनौपचारिक बातचीत का चैनल बंद हो गया है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

रोजाना करें एक कीवी का सेवन, मिलेंगे कई प्रमुख स्वास्थ्य लाभ

कीवी डाइटरी फाइबर और विटामिन- सी का शक्तिशाली स्रोत है, जो विभिन्न स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकते हैं। डाइटरी फाइबर पाचन क्रिया को मजबूती देने, ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने और वजन घटाने में मदद करता है, जबकि विटामिन- सी प्रतिरक्षा में सुधार करने, अस्थमा के इलाज में सहायता करनेऔर मुक्त कणों से लड़ने जैसे लाभ देने में मदद करता है। ऐसे में रोजाना एक कीवी का सेवन करने से आपको ये 5 प्रमुख स्वास्थ्य लाभ भी मिल सकते हैं।

अस्थमा रोगियों में फेफड़ों की कार्यप्रणाली को बेहतर करने में है सहायक

कीवी में मौजूद विटामिन- सी की उच्च मात्रा अस्थमा के इलाज में मदद कर सकती है। एक अध्ययन में पाया गया कि इसके सेवन से घरघराहट और अस्थमा से पीड़ित बच्चों पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। कीवी अस्थमा जैसी श्वसन संबंधी बीमारियों में सुधार लाने में सक्षम है। यह फ्लू प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने में भी बेहतरीन काम करता है। यह ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से लड़ने में मदद करता है और लाभकारी प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं को बढ़ावा देता है।

हृदय स्वास्थ्य के लिए है लाभदायक

कीवी पोटेशियम से भरपूर होती है, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए आवश्यक पोषक तत्व है। अध्ययनों के मुताबिक, हर दिन 4,069 मिलीग्राम पोटेशियम का सेवन करने वाले व्यक्तियों में हृदय रोग से मृत्यु का जोखिम 49 प्रतिशत कम होता है। कीवी ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करने में भी मदद करती है। इसका सेवन प्लेटलेट सक्रियता और प्लाज्मा लिपिडसी के स्तर को कम करने में सहायक है। ये 2 कारक हैं, जो हृदय संबंधी समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

मधुमेह रोगियों के लिए है फायदेमंद

कीवी में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो इसे मधुमेह के रोगियों के लिए एक आदर्श फ्लू बनाती है। 100 ग्राम कीवी में महज 5 ग्राम ग्लूकोज होता है, जिसका रक्त ग्लूकोज पर इसका प्रभाव कम पड़ता है। एक मीडियम कीवी में 11 ग्राम कार्ब्स भी होते हैं, जो कि अधिकांश अन्य फ्लों की तुलना में कम होता है। फ्लू में मौजूद फाइबर ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।

वजन घटाने में है कारगर

आजकल ज्यादातर लोग बहुत तैलीय और बाहरी चीजें का सेवन करने लगे हैं, जिसकी वजह से वजन बढने की समस्या आम हो चुकी है। ऐसे में कीवी का सेवन बढ़ते वजन की समस्या से छुटकारा दिला सकता है। इसका कारण है कि कीवी एक कम कैलोरी वाला फ्लू है और इसमें वसा की मात्रा भी कम होती है। इसके अलावा यह फाइबर से भरपूर होता है। यह सभी गुण वजन घटाने वाले के लिए इसे आदर्श बनाते हैं।

त्वचा के स्वास्थ्य के लिए बेहतरीन है कीवी

त्वचा के लिए कीवी का सेवन बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि इसमें आवश्यक विटामिन्स शामिल होते हैं, जो त्वचा की समस्याओं से राहत दिला सकते हैं। इसमें पाया जाने वाला एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण रूखी और सेंसटिव त्वचा के लिए उपयुक्त होता है। त्वचा को स्वस्थ रखने, नमी बनाए रखने, मुंहासों को दूर करने और त्वचा को सूरज की पराबैंगनी किरणों से बचाने के लिए कीवी का सेवन सहायक हो सकता है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -099

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

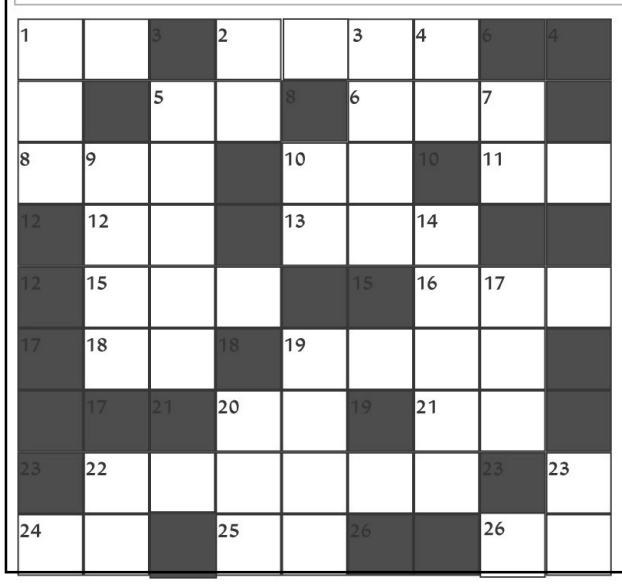

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 98 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो		र	ति		
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

राजवीर देओल की दोनों का टीजर जारी!

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता सनी देओल के बेटे राजवीर देओल मौजूदा वक्त में अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर चर्चा में हैं। बीते दिन उन्होंने अपनी पहली फिल्म दोनों का ऐलान किया था।इसमें उनकी जोड़ी अभिनेत्री पूनम ढिल्लो की बेटी पालोमा ढिल्लों के साथ बनी है। पिछले दिनों निर्माताओं ने दोनों का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें पालोमा और राजवीर एक-दूसरे के प्यार में डूबे नजर आ रहे हैं।

जियो स्टूडियो ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर दोनों का टीजर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, दो अजनबियों के साथ प्यार की मासूमियत का स्वागत करते हुए, जिनकी मंजिल एक है। जल्द ही सिनेमाघरों में एक नई यात्रा शुरू होगी।फिल्म दोनों के जरिए बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशक सूरज बड़जात्या के बेटे अवनीश एस बड़जात्या निर्देशन की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा होगी।

गौरतलब है कि इन दोनों के माता-पिता भी पहले फिल्म में नायक-नायिका के तौर पर नजर आ चुके हैं। सनी देओल और पूनम ढिल्लों ने साल 1984 में आई लव स्टोरी फिल्म सोहनी महिवाल में लीड रोल प्ले किया था। अब दोनों के बच्चे एक साथ फिल्म करने जा रहे हैं। मेकर्स ने सोमवार को राजवीर देओल और पलोमा ठकेरिया की डेब्यू फिल्म दोनों का पोस्टर रिलीज कर दिया है। इस पोस्टर में राजवीर देओल और पलोमा ठकेरिया बीच पर बैठे और उनकी पीठ कैमरे की तरफ है। फिल्म दोनों के पोस्टर से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये रोमांटिक फिल्म होगी। राजवीर देओल और पलोमा ठकेरिया की डेब्यू फिल्म दोनों के डायरेक्शन की जिम्मेदारी सूरज बडजात्या के बेटे अवनीश एस बडजात्या के कंधे पर है। फिल्म दोनों से अवनीश एस बडजात्या निर्देशन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। फिल्म दोनों राजश्री प्रोडक्शन की 59वीं फिल्म है। बताते चलें कि अवनीश एस बडजात्या ने इससे पहले साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म प्रेम रतन धन पायो में असिस्टेंट डायरेक्टर और फिल्म ऊंचाई में एसोसिएट डायरेक्टर के तौर पर काम किया है।

यह फिल्म एक ताज़ा प्रेम कहानी होगी जो आपको मैंने प्यार किया के आकर्षण को फिर से देखने पर मजबूर कर देगी। (आरएनएस)

टाइगर 3 से लीक हुई सलमान खान की तस्वीरें

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान ने लगभग 4 साल बाद किसी का भाई किसी की जान के साथ बड़े पर्दे पर वापसी की थी, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। ऐसे में सलमान के प्रशंसक उनकी आगामी फिल्मों का बेताबी से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें टाइगर 3 शुमार है। अब टाइगर 3 से सलमान की तस्वीरें सोशल मीडिया पर लीक हो गई हैं, जिसमें भाईजान धांसू अवतार में नजर आ रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के खास मौके पर निर्माता टाइगर 3 से सलमान का पहला पोस्टर जारी करने पर विचार कर रहे हैं। टाइगर फ्रेंचाइजी के तीसरे भाग टाइगर 3 का निर्देशन मनीष ने किया है। फिल्म इस दिवाली पर हिंदी सहित तमिल और तेलुगू भाषा में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में इमरान हाशमी और कैटरीना कैफ भी मुख्य भूमिका में शामिल हैं। फिलहाल सलमान की झोली में 3 फिल्में आने को तैयार हैं। हालांकि, अभी उन्होंने किसी पर भी औपचारिक मुहर नहीं लगाई है। सलमान के आगामी प्रोजेक्ट्स में सबसे ज्यादा चर्चा सूरज बड़जात्या की फिल्म प्रेम की शादी की हो रही है। लंबे समय बाद बड़जात्या ने प्रेम से हाथ मिलाया है। पहले चर्चा थी कि इस साल के अंत तक वह इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे। रिपोर्ट के अनुसार अब उन्होंने इसे अगले साल तक के लिए टाल दिया। बड़जात्या इन दिनों अपने बेटे अविनाश बड़जात्या की फिल्म दोनों में व्यस्त हैं। (आरएनएस)

ड्रीम गर्ल 2 फिल्म 25 अगस्त को रिलीज होगी

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना की ड्रीम गर्ल 2 साल 2023 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार है।इसमें उनकी जोड़ी पहली बार अनन्या पांडे के साथ बनी है, जिसे देखने के लिए दर्शक काफी उत्साहित हैं।यह फिल्म साल 2019 में आई ड्रीम गर्ल का सीक्वल है। अब निर्माताओं ने ड्रीम गर्ल 2 से आयुष्मान का पहला लुक जारी कर दिया है, जिसमें वह काफी दिलचस्प अंदाज में नजर आ रहे हैं। पर अब लगता है कि ड्रीम गर्ल की झलक देखने का ड्रीम पूरा होने को आया है फिल्म के एक नए और दिलचस्प लुक के साथ। ये लुक सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इसमें आयुष्मान खुराना को एक आकर्षक नए अवतार में दिखाया गया है।

जो चीज़ वास्तव में हर किसी का ध्यान खींचती है वह है आयुष्मान के किरदार पूजा का उल्लेखनीय ट्रांसफॉर्मेशन, जो फेमिनिन लुक में कमाल लगती है, जिससे फैन्स को अगली कड़ी की कहानी की दिशा के बारे में उत्सुकता होती है। करम के रूप में पूजा की परछाई पर्दे से झांकती है जो लोगों को खिलखिलाने और हंसाने का काम करती है। आयुष्मान ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर ड्रीम गर्ल 2 का पहला पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, ये तो सिर्फ पहली झलक है। दर्पण में वस्तुएं जैसी दिखाई देती हैं उससे कहीं अधिक खूबसूरत होती हैं।फिल्म में अन्नू कपूर, परेश रावल, सीमा पहवा, विजय राज, मनोज जोशी, राजपाल यादव और असरानी जैसे कई शानदार कलाकार भी हैं।इसका निर्देशन राज शांडिल्य द्वारा किया जा रहा है। यह फिल्म 2019 की फिल्म ड्रीम गर्ल का आध्यात्मिक सीक्वल है। फिल्म 25 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। (आरएनएस)

हंसल मेहता की फिल्म से होश उड़ाएंगी करीना कपूर

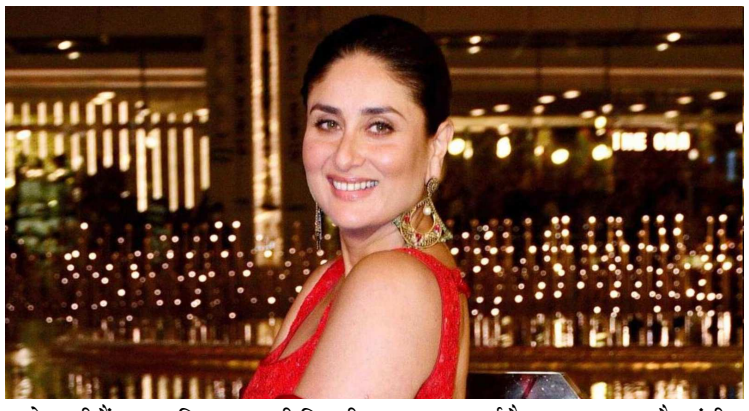

निर्देशक हंसल मेहता पिछले कई दिनों से करीना कपूर खान के साथ एक फिल्म करने को लेकर चर्चा में हैं। इसके जरिए उन्हें पहली बार करीना संग काम करने का मौका मिला है और वह उनके मुरीद हो गए हैं। मेहता ने जब से करीना के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू की है, वह कई बार उनकी तारीफों के पुल बांध चुके हैं। हाल ही में उन्होंने करीना और फिल्म में उनकी भूमिका को लेकर बातचीत की।

मेहता ने कहा, करीना के साथ काम करना खुशी की बात है। उनमें बिल्कुल भी अहम नहीं है। मेरा उनके साथ बिल्कुल वैसा ही तालमेल है, जैसा राजकुमार राव, मोहम्मद जीशान अय्यूब और करिश्मा तन्ना के साथ है। उन्होंने कहा, करीना के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा। हमने शूटिंग का पूरा लुत्फ उठाया। करीना सचमुच एक बेहद शानदार अदाकारा हैं। उनकी जितनी तारीफ की जाए, उतनी कम है।

मेहता कहा, करीना का किरदार फिल्म में ऐसा है, जो उन्होंने इससे पहले आज तक नहीं किया। इस थ्रिलर फिल्म में करीना पुलिस की वर्दी पहने नजर आएंगी। वह फिल्म में एक दमदार पुलिसकर्मी की भूमिका में दिखेंगी। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर मैं यह कहूंगा कि इस फिल्म के जरिए एक नई करीना आप सबके बीच आने वाली हैं। उनका किरदार उनकी पिछली फिल्मों से बिल्कुल जुदा है। उनकी फिल्मोग्राफी में एक बिल्कुल नई फिल्म जुड़ने जा रही है।

मेहता की इस फिल्म की कहानी लंदन में सेट की गई है, जो पुलिस के इर्द-गिर्द घूमती है। करीना का किरदार इस फिल्म के केंद्र में होगा। मेहता के मुताबिक, अभी तक करीना को दर्शकों ने ज्यादातर मसालेदार या रोमांटिक फिल्मों में देखा होगा, लेकिन इतने संजीदा किरदार में उन्हें देखना दर्शकों के लिए बेशक किसी तोहफे से कम नहीं होगा। बता दें कि करीना फिल्म अंग्रेजी मीडियम में भी पुलिस बनी थीं, लेकिन इसमें उनका किरदार प्रभावी नहीं था।

मेहता बॉलीवुड के उन फिल्मकारों में शामिल हैं, जिन्होंने अपने कंटेंट से अलग पहचान बनाई है। वह मुद्दापरक और संजीदा विषयों के लिए जाने जाते हैं। उनकी शाहिद, अलीगढ़ और सिटीलाइट्स जैसी फिल्मों को व्यापक स्तर पर सराहा गया। हाल-फिलहाल में वह वेब सीरीज स्कूप लेकर आए, जिस पर दर्शकों ने खूब प्यार लुटाया। नेटफ्लिक्स के साथ मेहता की यह पहली सीरीज थी, लेकिन ये रिश्ता आगे भी नजर आएगा। मेहता नेटफ्लिक्स के साथ मिलकर कई शो बनाने वाले हैं।

करीना, एकता कपूर की फिल्म द क्रू में दिखेंगी। सिंघम अगेन उनके खाते से जुड़ी है। करीना निर्देशक सुजॉय घोष के साथ अपनी पहली वेब सीरीज डिवोशन में काम कर रही हैं। वह कियारा आडवाणी के साथ भी एक फिल्म में नजर आने वाली हैं।

केतिका शर्मा ने पवन कल्याण के साथ एक यादगार बातचीत साझा की

युवा अभिनेत्री केतिका शर्मा पावरहाउस पवन कल्याण और साईं धर्म तेज अभिनीत आगामी सामाजिक-फंतासी कॉमेडी ड्रामा फिल्म ब्रो में अपनी पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जैसा कि फिल्म 28 जुलाई को नाटकीय रिलीज के लिए तैयार है, केतिका ने हाल ही में मीडिया से बातचीत की और परियोजना पर काम करने के बारे में अपने अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा की।

केतिका ने स्वीकार किया कि वह शुरू में इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता पवन कल्याण से मिलने की संभावना से घबराई हुई और भयभीत थीं। हालाँकि, उनके साथ काम करने के उत्साह ने उनकी भागीदारी के बारे में सुनते ही तुरंत फिल्म साइन कर ली। हालांकि पवन कल्याण के साथ उनका कोई संयोजन दृश्य नहीं है, केतिका को उनके साथ संक्षेप में फ्रेम साझा करने का अवसर मिला, हालांकि उन्होंने उस विशेष दृश्य के दौरान बातचीत नहीं की। उन्होंने पवन कल्याण से परिचय कराने के लिए साई धर्म तेज का आभार व्यक्त किया, जिससे एक संक्षिप्त बातचीत हुई और गर्मजोशी से स्वागत हुआ।

अपने चरित्र और संवादों के संदर्भ में, केतिका ने खुलासा किया कि फिल्म के लेखक त्रिविक्रम श्रीनिवास ने विशेष रूप से उनके लिए कुछ मजेदार और मनोरंजक संवाद तैयार किए हैं। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके किरदार को फिल्म के तमिल मूल विनोद्या सीथम में मुख्य महिला किरदार की तुलना में अधिक स्क्रीन समय दिया गया है। केतिका ने आगे कहा कि ब्रो एक महत्वपूर्ण संदेश देता है, जो एक अभिनेता के रूप में उनके लिए एक अनोखा और संतुष्टिदायक अनुभव है। प्रतिभाशाली तमिल अभिनेता-फिल्म निर्माता समुथिरखानी द्वारा निर्देशित और ज़ी स्टूडियोज के सहयोग से पीपल मीडिया फैक्ट्री पर टीजी विश्वप्रसाद द्वारा निर्मित, ब्रो एक मनोरम सिनेमाई अनुभव देने का वादा करता है। पवन कल्याण, साई धर्म तेज और केतिका शर्मा सहित शक्तिशाली कलाकारों की टोली और निर्देशक की रचनात्मक दृष्टि के संयोजन के साथ, फिल्म से दर्शकों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ने की उम्मीद है।

जैसा कि प्रशंसक बेसब्री से ब्रो की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं, केतिका की अंतर्दृष्टि ने फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ा दिया है। इस संदेश-उन्मुख फिल्म में उनकी यात्रा उनकी प्रतिभा को प्रदर्शित करने और फिल्म के समग्र प्रभाव में योगदान देने के लिए तैयार है। (आरएनएस)

जयम रवि ने किया नई पैन इंडिया फिल्म जिनी का ऐलान

बीते दिनों दक्षिण भारतीय फिल्म जगत से एक के बाद एक पैन इंडिया फिल्म की घोषणा हुई है। पुष्पा, आरआरआर , केजीएफ , जैसी फिल्मों की दीवानगी के बाद अब हिंदी के दर्शकों के बीच दक्षिण भारतीय कहानियों की लोकप्रियता बढ़ रही है। इसी क्रम में बुधवार को एक और पैन इंडिया फिल्म की घोषणा हुई है। पोन्नियन सेल्वन स्टार जयम रवि ने अपनी नई फिल्म जिनी का ऐलान कर दिया है।

जयम रवि ने अपनी नई फिल्म जेआर32 के नाम की घोषणा की है। इस फिल्म का नाम जिनी है। खास बात यह है कि फिल्म में 3 अभिनेत्रियां मुख्य भूमिका निभाएंगी। कीर्ति शेट्टी, कल्याणी प्रियदर्शन और वामिका गब्बी इस फिल्म में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन अर्जुनन जूनियर करेंगे। पोन्नियन सेल्वन की तरह ही इस फिल्म का संगीत एआर रहमान का होगा। फिल्म के ऐलान से पहले टीम ने एक पूजा का भी आयोजन किया।

रवि जयम ने ट्विटर पर जिनी का पोस्टर साझा किया। रवि के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए कल्याणी प्रियदर्शन ने लिखा, इस फिल्म का हिस्सा बनकर काफी उत्साहित हूं। इस कूल स्क्रिप्ट, बेहतरीन क्रू और मजेदार कलाकारों के साथ जिनी में मेरी विश पहले ही पूरी कर दी है। फिल्म के पोस्टर पर प्रशंसकों ने भी अपनी खुशी जाहिर की है। रवि जयम के प्रशंसकों का कहना है कि वह शानदार कलाकार हैं और उन्हें इस फिल्म का इंतजार है।

जयम रवि की इस फिल्म का निर्माण वेल्स फिल्म इंटरनैशनल कर रही है। फिल्म में एआर रहमान का संगीत होने के कारण भी प्रशंसक इसे लेकर उत्साहित हैं। जेनी तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में रिलीज की जाएगी। फिलहाल इसकी रिलीज डेट की घोषणा नहीं हुई है। अब दर्शक फिल्म के बारे में अन्य जानकारियों का इंतजार कर रहे हैं। खासकर, इसकी स्टारकास्ट ने उन्हें फिल्म की कहानी जानने के लिए और उत्सुक कर दिया है।

दर्शकों के लिए कई बड़ी पैन इंडिया फिल्में कतार में हैं। इनमें से सबसे चर्चित प्रभास की फिल्म सालार है। गुरुवार को फिल्म का टीजर जारी किया जाएगा। प्रभास की ही फिल्म प्रोजेक्ट के का भी दर्शक काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म अगले साल जनवरी में रिलीज होगी। वीएफएक्स से भरपूर फिल्म हनुमान भी अगले साल जनवरी में रिलीज होगी। हाल ही में एकता कपूर ने मोहनलाल के साथ वृषभ का ऐलान किया है। (आरएनएस)

भाजपा की गठबंधन राजनीति के मायने

अजीत द्विवेदी

भारतीय जनता पार्टी ने एनडीए के 25 साल पूरे होने पर इसको पुनर्जीवित किया तो यह देश के राजनीतिक विमर्श का सबसे प्रमुख मुद्दा बन गया। बनना भी चाहिए क्योंकि पिछले नौ साल से भाजपा जिस तरह की एकाधिकारवादी राजनीति कर रही है उसमें उसका गठबंधन की ओर बढ़ना और प्रधानमंत्री का यह कहना कि उनका गठबंधन एक सुंदर इंद्रधनुष है, जिसमें कोई भी पार्टी छोटी या बड़ी नहीं है, बहुत सुखद संकेत है। कई लोग इसे सुखद संकेत नहीं मानेंगे क्योंकि गठबंधन की सरकारों के बारे में ऐसी धारणा बना दी गई है कि उनके होने से राजनीतिक व प्रशासनिक अस्थिरता को बढ़ावा मिलता है। यह धारणा भी बनाई गई है कि केंद्र में मजबूत सरकार से न सिर्फ स्थिरता आती है, बल्कि बाह्य और आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित होती है। यह एक गढ़ा हुआ विमर्श है, जिसे तथ्यों के आधार पर प्रमाणित नहीं किया जा सकता है। हकीकत यह है कि इस देश में गठबंधन की सरकारों ने विकास के ज्यादा काम किए हैं और गरीबों व वंचितों के लिए बेहतर योजनाएं बनाई हैं। उन्होंने लोकतंत्र को ज्यादा मजबूती भी दी है। लेकिन वह अलग विमर्श का विषय हो सकता है। फिलहाल चर्चा एनडीए को पुनर्जीवित करने की है।

भाजपा ने जब से 38 पार्टियों को जुटाया है तब से इसे लेकर कुछ राजनीतिक निष्कर्ष निकाले जा रहे है, जिसमें से कुछ सही हैं और कुछ तथ्यात्मक रूप से सही होते हुई भी पूर्वाग्रह से ग्रस्त हैं। जैसे यह कहा जा रहा है कि एनडीए की बैठक में शामिल हुईं 10 पार्टियों ने पिछला लोकसभा चुनाव ही नहीं लडा था। कुल 38 पार्टियों में से 24 का एक भी लोकसभा सांसद नहीं है। आठ पार्टियां ऐसी हैं, जिन्होंने सिर्फ नौ लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी। ये सारी बातें तथ्यात्मक रूप से सही हैं लेकिन इसके आधार पर जो निष्कर्ष निकाला जा रहा है वह पूर्वाग्रह से भरा है और राजनीतिक रूप से गलत है। इस बात को समझने की जरूरत है कि भाजपा सिर्फ इसलिए घटक दलों को नहीं जुटा रही है कि वह कमजोर हो गई है। यह उसका एक राजनीतिक दांव भी है। क्योंकि भाजपा 2014 और 2019 की तरह अगले चुनाव को लेकर बहुत भरोसे में नहीं है। केंद्र में 10 साल तक राज करने वाली किसी भी पार्टी को लगातार तीसरा चुनाव आसानी से जीत जाने के भरोसे में रहना भी नहीं चाहिए। यह भी सही है कि भाजपा ने जो पहल की है उससे निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईर्द-गिर्द बनाया जा रहा नैरेटिव कमजोर होगा और भाजपा अपना एक एडवांटेज गंवाएगी। लेकिन इससे उसको दूसरा फायदा हो सकता है।

सबसे बड़ा फायदा भारतीय राजनीति को होगा कि खुद भाजपा अपनी पहल से अपनी एकाधिकारवादी राजनीति को कमजोर करेगी। याद करें 2019 के लोकसभा चुनाव में बिहार में कैसे हुआ था। तब भाजपा बिहार में 23 लोकसभा सीटों की पार्टी थी लेकिन उसने जनता दल यू से समझौता किया और सिर्फ 17 सीटों पर लड़ी। इसकी वजह से भाजपा की छह सीटें कम हो गईं और सिर्फ दो लोकसभा सीटों वाली नीतीश कुमार की पार्टी 16 सीटों पर जीत गई। आज नीतीश कुमार की राष्ट्रीय राजनीति मुख्य रूप से उन्हीं 16 लोकसभा सीटों की वजह से है। महाराष्ट्र में शिव सेना की 18 और उत्तर प्रदेश में अपना दल की दो सीटें भाजपा की वजह से ही हैं। अगले चुनाव में अगर भाजपा 38 या उससे ज्यादा पार्टियों के साथ गठबंधन बनाती है तो संभव है कि कुछ राज्यों में भाजपा की सीटें कम हो जाएं और उसकी कीमत पर कुछ प्रादेशिक पार्टियां मजबूत हों। इससे भाजपा की एकाधिकारवादी राजनीति कमजोर होगी और राष्ट्रीय राजनीति में विविधता बढ़ेगी। भाजपा अगर सचमुच गठबंधन की राजनीति करती है और सहयोगी पार्टियों को उनकी क्षमता के मुताबिक जगह देती है तो यह देश के लिए अच्छी बात होगी।

इस राजनीति का भाजपा को एक फायदा यह हो सकता है कि वह अपनी वैचारिकता को राजनीति की मुख्यधारा बनाने में कामयाब हो सकती है। ध्यान रहे कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां आरोप लगाती हैं कि भाजपा विभाजनकारी राजनीति कर रही है, समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाती है और उससे वोट की फसल पकाती है। लेकिन अगर भाजपा की इस राजनीति के साथ देश की 40 पार्टियां जुड़ती हैं तो क्या यह अपने आप साबित नहीं होगा कि वह जिस विचारधारा को अपना कर चल रही है उसकी वजह से वह अछूत नहीं हुई है? क्या इससे उसकी राजनीतिक विचारधारा को व्यापक स्वीकार्यता नहीं मिलेगी? ध्यान रहे दुनिया में आज भी सबसे ज्यादा नफरत की नजर से देखी जानी वाली विचारधारा फासीवाद है और भारत की विपक्षी पार्टियां भाजपा को इसी विचारधारा की पार्टी बताती हैं। लेकिन अब अगर देश के अलग अलग हिस्सों की और अलग अलग जातीय, सामाजिक आधार वाली पार्टियां उसके साथ जुड़ती हैं तो निश्चित रूप से भाजपा पर लगने वाला फासीवाद का आरोप कमजोर होगा। ध्यान रहे भाजपा के साथ जा रहीं कई पार्टियां पहले कांग्रेस और अन्य भाजपा विरोधी पार्टियों के साथ रही हैं।

भाजपा की ओर से छोटी छोटी प्रादेशिक पार्टियों को महत्व देने और एनडीए में उनको जगह देने से भारतीय समाज में छोटी छोटी और बिल्कुल अनजानी अस्मिताएं जन्म ले रही हैं। इस बात को ऐसे कह सकते हैं कि छोटी छोटी सामाजिक अस्मिताओं को बड़ी राजनीतिक पहचान मिल रही है और उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा को स्पेस मिल रहा है। भाजपा की सक्रिय मदद से भारतीय राजनीति में नए प्रादेशिक क्षत्रप उभर रहे है या मजबूत हो रहे हैं। ओमप्रकाश राजभर, संजय निषाद, अनुप्रिया पटेल, जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा, चिराग पासवान, रामदास अठावले आदि का चेहरा सिर्फ एक व्यक्ति का चेहरा नहीं है, बल्कि ये किसी खास जातीय समुदाय की अस्मिता के प्रतिनिधि हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इनके राजनीतिक रूप से मजबूत होने से सोशल स्पेस में डिवीजन बढ़ेगा लेकिन कई बार छोटी सामाजिक अस्मिताओं का मजबूत होना समरस समाज बनाने के लिए जरूरी होता है। हालांकि यह नहीं कहा जा सकता है कि भाजपा कोई समरस समाज बनाने के लिए ऐसा कर रही है लेकिन राजनीतिक मजबूरी में किए जा रहे काम से अगर समाज में किसी सुधार की संभावना जन्म लेती है तो उसमें कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

भाजपा की इस राजनीति की वजह से विपक्षी गठबंधन के सामने चुनौतियां बढ़ गई हैं। पहले तो उनको इस नैरेटिव का जवाब देना है कि भाजपा को उनसे ज्यादा पार्टियों का समर्थन हासिल है और भाजपा का राजनीतिक इंद्रधनुष ज्यादा रंगों वाला है। इसके अलावा विपक्षी पार्टियों को राज्यों में अपने गठबंधन को और मजबूत करना होगा क्योंकि भाजपा अपने कोर वोट आधार में जो नए वोट जोड़ने के प्रयास कर रही है उसको रोके बगैर या उसके बिखरे बगैर विपक्ष का मकसद पूरा नहीं होगा। मिसाल के तौर पर बिहार में भाजपा अगर चार नेताओं के जरिए कुशवाहा, पासवान, मांझी और मल्लाह वोट जोड़ने का प्रयास कर रही है तो विपक्ष इसे कैसे रोक सकता है? गैर यादव और गैर कुर्मी पिछड़ी जातियां और दलित अगर भाजपा के सवर्ण व वैश्य मतदाताओं के साथ जाते हैं तो विपक्ष के पास क्या रास्ता बचेगा? जो लोग बिहार की राजनीति को जानते हैं उनको पता है कि राज्य में दलित अस्मिता का प्रतिनिधित्व करने वाले दो सबसे बड़े चेहरे चिराग पासवान और जीतन राम मांझी के हैं। इसी तरह गैर यादव व गैर कुर्मी जातियों में कोईरी और मल्लाह का प्रतिनिधित्व उपेंद्र कुशवाहा और मुकेश सहनी करते हैं। अगर ये चारों चेहरे भाजपा के साथ जाते हैं तो नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के लिए मुश्किल होगी। भाजपा ने एनडीए को पुनर्जीवित करके और 38 पार्टियों को जोड़ कर हर राज्य में विपक्ष के सामने ऐसी ही चुनौती खड़ी की है। इससे पार पाने कि लिए विपक्ष को बहुत ज्यादा मेहनत करनी होगी।

सू- दोकू क्र.099

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.98 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

ज्ञान के चिराग

मैरी मैक्लियॉड बेथून को बचपन से ही पढ़ना बेहद पसंद था। जैसे-जैसे वह बड़ी होती रही, वैसे-वैसे उन्होंने अश्वेतों के साथ होने वाले भेदभाव को महसूस किया। कई प्रतिभाशाली अश्वेत विद्यार्थी उच्च शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते थे। एक दिन उसने दृढ़ निश्चय किया कि वह ऐसे कॉलेज का निर्माण करेगी, जहां पर सभी विद्यार्थी समान शिक्षा ग्रहण कर पाएंगे। मैरी ने लोगों की बातों की परवाह किए बिना अपने प्रयास को जारी रखा। उन्होंने कॉलेज के लिए डेटोना बीच, फ्लोरिडा का स्थान चुना। जब उन्होंने अपना शैक्षणिक संस्थान प्रारंभ किया तो उनके पास केवल छह डॉलर थे, पर वे डटी रहीं। उसने किसी की परवाह नहीं की। वह निरंतर अपने पथ पर आगे बढ़ती रहीं। उन्होंने पहले अफ्रीकी-अमेरिकी कन्याओं के लिए स्कूल खोला। कुछ समय बाद यह स्कूल एक निजी संस्थान में परिवर्तित हो गया। अब इसमें अफ्रीकी अमेरिकी युवा भी पढ़ने लगे। शीघ्र ही इस संस्थान को बेथून कुकमैन स्कूल के नाम से जाना जाने लगा था। धीरे-धीरे यह स्कूल कॉलेज में बदल गया। आज बेथून कुकमैन कॉलेज विश्व के उच्च शिक्षा के सर्वश्रेष्ठ कॉलेजों में से एक है। मैरी मैक्लियॉड अमेरिका की महानतम महिलाओं में गिनी जाती हैं, जिन्होंने छोटी-सी आशा के साथ शुरुआत की और सबके लिए शिक्षा के चिराग जला दिये।

प्रस्तुति : रेनू सैनी

अर्थव्यवस्था की असल कहानी

अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर पेश करने की तमाम कोशिशों के बावजूद अखबारी सुर्खियां लगभग रोज ही असल कहानी बता रही हैं। बिगड़ते हालात का कारण है: अनिश्चित आर्थिक माहौल, ऊंची महंगाई, बढ़ती बेरोजगारी, औसत वेतन में कम बढ़ोतरी और अर्थव्यवस्था की (अंग्रेजी के) के अक्षर जैसी रिकवरी।

भारतीय अर्थव्यवस्था की खुशहाल कहानी प्रचारित करने की कोशिशें अपनी जगह हैं, लेकिन इनके बीच ही देश के आम जन का असली हाल का इजहार मुख्यधारा मीडिया की सुर्खियों से भी हो जाता है। कोई ऐसा दिन नहीं जाता, जब अखबारों में ऐसी कोई खबर देखने को ना मिले, जिनसे देश में घटती मांग, उपभोग के गिर रहे स्तर, रोजगार के मोर्चे पर बढ़ रही चुनौतियों और देश में बढ़ रही आर्थिक गैर-बराबरी की कहानी सामने ना आती हो। मसलन, इन खबरों पर ध्यान दीजिए: एक खबर के मुताबिक भारत में मोबाइल फोनों की बिक्री गिर रही है। 2023 के पहले छह महीनों में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में बिक्री की यह संख्या पांच करोड़ हैंटसेट से नीचे रही। यह लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट है। ऐसा क्यों हुआ, यह भी उसी अखबारी रिपोर्ट में बताया गया। ये कारण रहे: अनिश्चित आर्थिक माहौल, ऊंची महंगाई, बढ़ती बेरोजगारी, औसत वेतन में कम बढ़ोतरी और अर्थव्यवस्था की (अंग्रेजी के) के अक्षर जैसी रिकवरी।

एक दूसरी खबर यह आई है कि भारत में दफ्तर स्थलों की मांग मद्धम हो गई है। इसका एक प्रमुख कारण यह बताया गया है कि कंपनियों ने नए कर्मियों की भर्तियों का अपना अनुमान गिरा दिया है। एक अन्य खबर है कि स्टार्टअप्स में होने वाले निवेश की वृद्धि दर दस तिमाहियों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। बिगड़ते आर्थिक माहौल का ही असर है कि केंद्र सरकार की प्रिय पीएलआई (प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव) योजना के तहत के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के अंत तक 40 हजार करोड़ रुपये से भी कम व्यय होने का अनुमान है, जबकि सरकार ने इसके लिए एक लाख 97 हजार करोड़ रुपये का मद रखा है। जब बेरोजगारी का आलम यह हो कि किसी कंपनी के 15 नौकरियों का इश्तहार निकालने पर 48 घंटो के अंदर 13 हजार आवेदन आ जाते हों, तो उस समय कौन-सी कंपनी निवेश और उत्पादन के लिए प्रेरित होगी? उत्पादन का सीधा संबंध मांग और उपभोग से होता है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि लगातार गंभीर होते ये हालात सरकार की चिंता का विषय नहीं हैं। (आरएनएस)

कुमाऊं आयुक्त ने रजिस्ट्रार ऑफिस में की छापेमारी, हड़कंप

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी में कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने आज रजिस्ट्रार ऑफिस में औचक छापेमारी की, जिससे वहां मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया, लंबे समय से रजिस्ट्रार कार्यालय हल्द्वानी में हो रही रजिस्ट्री में अनियमितताओं की शिकायत उन तक पहुंच गई थी, ऐसे में आज कमिश्नर दीपक रावत द्वारा छापेमारी की गयी है। हाल ही में प्राधिकरण द्वारा कई अवैध कॉलोनियों को सील करते हुए वहां की रजिस्ट्री पर रोक लगाने के निर्देश दिए थे, लेकिन रजिस्ट्रार कार्यालय हल्द्वानी में एफिडेविट के आधार पर धड़ल्ले से रजिस्ट्री हो रही थी, जिसका संज्ञान लेते हुए कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत द्वारा छापेमारी करते हुए रजिस्ट्रार कार्यालय के दस्तावेज खगाले गये और फटकार लगाते हुए रजिस्ट्री पर तत्काल रोक लगाने को कहा गया है।

साढे छह लाख की स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने साढे छह लाख रूपये की स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उ सको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए डीआईजी/एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने बताया कि पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान चन्द्रमणि चौक से भुत्तोवाली चौक के बीच एक मोटरसाईकिल सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 65 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम दिलशाद पुत्र इरशाद निवासी रहमत नगर थाना भगवानपुर हरिद्वार बताया। उसने पुलिस को बताया कि वह स्मैक भगवान पुर से लाकर यहां बेचने आया था। पुलिस के अनुसार पकडी गयी स्मैक की कीमत साढे छह लाख रूपये हैं। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रानीपोखरी थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान गोल चक्कर के पास एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने स्कूटी से तीन पेटी शराब की बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम नीरज कश्यप पुत्र रमेश कश्यप निवासी सर्वहारा नगर काले की ढाल ऋषिकेश बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर स्कूटी को सीज कर दिया।

रजनी रावत पर बंधक बनाकर मारपीट करने का मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। रजनी रावत पर बंधक बनाकर मारपीट कर जान से मारने की ध मकी देने का पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बसंत विहार निवासी निशा चौहान ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 25 जुलाई 2023 को उसकी गुरु बिन्दु निवासी मलूकंचद ने उसको फोन करके हाथीबडकला डेरे मे बुलाया और बताया कि रजनी रावत एवं उसके 30-35 चेलो ने उसको बुरी तरह से मारा पीटा मारने पीटने के बाद उससे कोरे कागजों पर भी हस्ताक्षर लिये और पुलिस कार्यवाही ना करने की धमकी दी। उसको पूरी रात वही बन्धी बनाकर रखा गया रात के वक्त ही रजनी रावत ने कैमरे वाले को बुला सारी मेमोरी डिलीट करवायी उसको रजनी रावत व उसके चेलो से अपनी जान-माल का खतरा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बाढ़ प्रभावितों की मदद में डबल इंजन सरकार पूरी तरह विफलः नवप्रभात

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बाढ़ प्रभावितों की मदद में डबल इंजन सरकार पूरी तरह से फेल हुई है। बाढ़ प्रभावितों को सरकार की ओर से सिर्फ आश्वासन ही दिये जा रहे है जबकि धरातल पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है।

यह बात आज बाढ़ प्रभावित समिति के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व कैबिनेट मंत्री नवप्रभात द्वारा रूड़की के रामनगर स्थित एक होटल में प्रेस वार्ता के दौरान कही गयी। उन्होने कहा कि हरिद्वार जनपद में खासकर खानपुर व लक्सर विधानसभा क्षेत्र के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति बहुत ही गंभीर हुई है और भारी आपदा आई है जिससे स्थानीय लोगों का भारी नुकसान हुआ है। उन्होने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार है लेकिन अभी तक बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में कृषि की दृष्टि से कोई भी कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। हवाई दौरे करने के साथ सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने भले ही अति बाढ़ प्रभावित क्षेत्र जनपद हरिद्वार को घोषित कर दिया हो लेकिन यह घोषणा भी हवाई साबित हो रही है। ऐसे में कहीं न कहीं स्थानीय लोग बेहद ही परेशान हैं। कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर प्रशासन पर दबाव बनाया जाएगा और ज्यादा से ज्यादा मुआवजा दिलवाने के साथ जो प्रभावित लोग हैं उनकी मदद की जाएगी।

महानगर अध्यक्ष चौधरी राजेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा सिर्फ जनता को गुमराह करने का काम कर रही है कोई भी जमीनी स्तर पर कार्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में नहीं किया गया है। उन्होने कहा कि यदि राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में काम नहीं करती है तो कांग्रेस सड़कों पर उतरेगी। इस अवसर पर विजय सारस्वत, राम सिंह सैनी, राजेश रस्तोगी, प्रणय प्रताप सिंह,नीरज त्यागी, प्रदुमन अग्रवाल,रणवीर नागर आदि मौजूद रहे।

चरस के साथ महिला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नशे के खिलाफ कोतवाली विकासनगर स्तर पर पुलिस टीम का गठन कर रवाना किया गया है, गठित पुलिस टीम द्वारा दौराने चेकिंग ग्राम कुंजाग्रांट से अचानक चेकिंग के दौरान 01 महिला वशिमा पत्नी जुबैर निवासी ग्राम कुन्जाग्रांट, थाना विकासनगर, देहरादून के कब्जे से 120 ग्राम अवैध चरस बरामद कर ली। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

चाकू से गोदकर हत्या का प्रयास हालत गम्भीर, हायर सेन्टर रैफर

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। चाकू से गोद कर एक व्यक्ति की हत्या का प्रयास किया गया। घायल अवस्था में नहर पटरी पर पड़े उक्त व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया गया जहां से उसे हायर सेन्टर रैफर कर दिया गया है। वहीं घायल व्यक्ति की पत्नी का आरोप है कि इस वारदात को उनके दामाद द्वारा अंजाम दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बहादराबाद पुलिस को सूचना मिली कि नहर पटरी पर एक व्यक्ति लहुलुहान हालत में पड़ा हुआ है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंच कर उक्त व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया। जहां उसकी गम्भीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेन्टर रैफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने मौके से एक चाकू भी बरामद किया है। घायल की पहचान अनवर (50) निवासी दादूपुर गोविंदपुर कोतवाली रानीपुर के रूप में की गयी है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही घायल व्यक्ति की पत्नी घटनास्थल बाद में अस्पताल पहुंची। उसने मुजफ्फरनगर निवासी अपने दामाद पर घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है। आरोप है कि काफी समय से उनकी दामाद से रंजिश चली आ रही है। कई बार पहले भी उसके पति के ऊपर घातक हमले किए गये हैं। पुलिस ने बताया कि घायल युवक बहादराबाद इंडस्ट्रियल एरिया के एक कंपनी में कार्यरत है। किसी ने युवक पर चाकू से हमला किया है।

महिला अपराधों के खिलाफ कांग्रेस ने फूंका सरकार का पुतला

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में एक महिला के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महानगर अध्यक्ष डॉ जसविन्दर सिंह गोगी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और सरकार का पुतला दहन किया गया।

इस अवसर पर गोगी ने कहा कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ दुष्कर्म और हत्या के मामले रोकने में सरकार पूरी तरह विफल हुई है। हाल ही में सेंट्रीयो मॉल के पास शहर के बीचोंबीच, मंत्री तथा नेता प्रतिपक्ष के आवास के एकदम पास भी एक महिला से दुष्कर्म और हत्या का मामला आया है। यह पुलिस और सरकार की घोर विफलता है। उत्तराखंड में भाजपा शासन में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कई मामले आते रहे हैं और अंकिता भण्डारी मामले में तो सत्तारूढ़ पार्टी के नेता और नेतापुत्र के नाम सामने आए हैं। अंकिता के माता पिता को सरकारी वकील बदलने के लिए तक संघर्ष करना पड़ा क्योंकि वे उससे संतुष्ट नहीं थे।

गोगी ने कहा कि सरकार के पक्ष में छोटी छोटी बातों का बढ़ा चढ़ा कर प्रचार करने में और विपक्ष के खिलाफ मिथ्या प्रचार में विशेषज्ञता रखने वाला भाजपा का महिला मोर्चा अंकिता भंडारी की हत्या के मामले में कहां सोया है, कभी इस विषय पर भी तो प्रदर्शन करें। महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध शीघ्र न रुके तो कांग्रेस कार्यकर्ता इसे राज्यव्यापी मुद्दा बनाएंगे।

इस मौके पर प्रदेश महामंत्री मनीष नागपाल, गरिमा दसोनी, महिला महानगर अध्यक्ष उर्मिला थापा, महानगर उपाध्यक्ष अभिषेक तिवारी, सुनील जयसवाल, ललित बद्री मुकीम अहमद महासचिव,अरुण बलूनी सावित्री थापा, पूनम कंडारी राजेंद्र राज, सलीम अंसारी अल्ताफ अहमद, राजेश पुंडीर सहित कई लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

बीज घोटाले की फाइल अब दोबारा होगी तैयार

विशेष संवाददाता

देहरादून। बीज प्रमाणी करण घपले की फाइल पूर्व अपर सचिव रामविलास यादव की टेबल से गायब होने और 2 साल तक सचिवालय में बैठे अधिकारियों द्वारा उक्त मामले में कोई कार्यवाही न करने का खुलासा होने पर शासन-प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है। अब इस मामले की दूसरी फाइल तैयार करने के आदेश सीएम द्वारा दिए जाने से इस बड़े भ्रष्टाचार के मामले में आय से अधिक संपत्ति के केस में जेल में पड़े पूर्व आईएएस रामविलास यादव की मुश्किलें और भी बढ़ सकती हैं। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश कैडर से उत्तराखंड कैडर में आने वाले पूर्व आईएएस अधिकारी रामविलास यादव आय से अधिक संपत्ति रखने की केस में अपने रिटायरमेंट से चंद दिन पूर्व ही गिरफ्तार कर लिए गए थे। उन पर यूपी व उत्तराखंड में अपने सेवाकाल में तमाम अनियमितताओं का आरोप है तथा आय से अधिक संपत्ति के मामले में उन्हें पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। अक्टूबर 2020 में वह जब कृषि विभाग में अपर सचिव के पद पर तैनात थे तब उनकी टेबल पर बीज प्रमाणी करण घोटाले की एसआईटी जांच संबंधित यह फाइल पहुंची थी जो गायब हो गई। इसके साथ ही इसकी भी जांच प्रक्रिया रुक गई अब इसका खुलासा सूचना आयुक्त कार्यालय के संज्ञान लेने तथा आरटीआई के तहत जानकारी मांगे जाने पर हुआ है। यह हैरान करने वाली बात है कि इतने बड़े घोटाले जिसके तार उत्तर प्रदेश तक फैले हैं, कि जांच फाइल गायब होने के मामले में किसी अधिकारी द्वारा 2 साल तक कोई संज्ञान नहीं लिया गया। इस पर कांग्रेसी नेता सूर्यकांत धस्माना ने कहा है कि यही तो है भाजपा का भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस। उनका कहना है कि वह भी सरकार ने नहीं अब सूचना आयुक्त ने इस पर संज्ञान लिया है जो हैरान करने वाला है।

❑2 साल तक अधिकारियों ने नहीं लिया कोई संज्ञान

लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कंप्यूटर के इंपोर्ट पर लगा बैन !

नई दिल्ली। भारत सरकार ने गुरुवार को लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कंप्यूटर के इंपोर्ट पर तत्काल बैन लगाने का नोटिस जारी कर दिया है। भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि डाक या कूरियर के माध्यम से ई-कॉमर्स पोर्टल से खरीदे गए कंप्यूटर सहित ऑल-इन-वन पर्सनल कंप्यूटर, या अल्ट्रा स्मॉल फॉर्म फैक्टर कंप्यूटर के इंपोर्ट के लिए इंपोर्ट लाइसेंसिंग आवश्यकताओं से छूट दी जाएगी। ये फैसला ऐसे समय पर लिया गया है, जब देश में मेक इन ध्इंडिया की मुहिम चल रही है। इस फैसले से लोकल मैन्युफैक्चर्स और ऐसी विदेशी कंपनियों को फायदा होगा, जो देश में यूनिट लगातार प्रोडक्शन कर लोकल सप्लाई और दूसरे देशों को एक्सपोर्ट कर रहे हैं। लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर, मोबाइल फोन जैसे इलेघ्क्ट्रोनिक आइटम्स के इंपोर्ट पर बैन लगाने के बाद इसका असर इकोनॉमी पर भी देखने को मिलेगा।

अवैध खनन व ओवरलोडिंग मामले में बृजभूषण सिंह के खिलाफएनजीटी ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली। पहलवानों के यौन शोषण में घिरे बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के लिए नई मुसीबत खड़ी हो गई है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी एनजीटी ने यूपी के गोंडा में अवैध खनन और ओवरलोडिंग वाले ट्रक चलाने के मामले में बृजभूषण शरण सिंह पर लगे आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं। एनजीटी ने यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, पर्यावरण मंत्रालय और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम बनाकर बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जांच करने के लिए कहा है। इस कमेटी को एक हफ्ते में गोंडा जिले में हो रहे अवैध खनन की जांच के लिए मौके पर पहुंचना है। फिर नवंबर के पहले हफ्ते में एनजीटी को जांच रिपोर्ट सौंपनी है। एनजीटी को शिकायत भेजी गई थी गोंडा के तीन गांवों में अवैध खनन हो रहा है। यहां खनन कर निकाले जा रहे खनिज को बेचा जा रहा है। खनिज ले जा रहे ओवरलोडिंग वाले ट्रकों की वजह से पुल और एक सड़क को नुकसान होने की भी शिकायत एनजीटी से की गई है। आरोप लगाया गया है कि बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह की सिरपरस्ती में अवैध खनन किया जा रहा है। शिकायत मिलते ही एनजीटी ने संबंधित इलाके में अवैध खनन और 700 ट्रकों के चलने पर रोक लगाने का आदेश पहले ही दिया था। अब इस मामले में जांच बिठाई गई है। यूपी सरकार की तरफ से जांच कमेटी का हिस्सा गोंडा के डीएम भी होंगे। बता दें कि बृजभूषण शरण सिंह गोंडा की कैसरगंज सीट से सांसद हैं।

विशाल भण्डारे के साथ हुआ कथा का विश्राम

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्राचीन शिव मंदिर मालदेवता में सूदूर क्षेत्रों से लोगों ने आकर कथा का श्रवण किया। आयोजकों के द्वारा प्रात: पूजन पाठ हवन और विशाल भण्डारे का आयोजन किया।

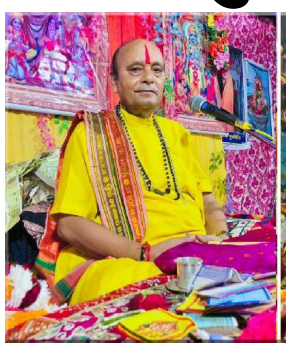

इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कथावाचक ज्योतिष्पीठ बद्रिकाश्रम व्यासपीठालंकृत आचार्य शिवप्रसाद ममगांई ने कहा, अनन्त ब्रह्म के नाम, यश, रूप, लीलाओं आदि की दिव्य महिमा के वर्णन से ओतप्रोत होता है वह एक दूसरी ही सृष्टी होती है। वह उन शुद्ध व्यक्तियों द्वारा सुना, गाया तथा स्वीकार किया जाता है जो पूर्णतया निष्कपट हैं। सारांश यह है कि जब हम केवल ब्रह्म की भक्तिपूर्ण सेवा की बात करते हैं, तभी हम व्यर्थ और मूर्खतापूर्ण बातों से बच सकते हैं और मानवता की श्रेणी में अग्रसर हो सकते हैं। हमें सदैव प्रयत्न करना चाहिये कि अपनी वॉक शक्ति का प्रयोग भगवान् की भक्ति को उपलब्ध करने के उद्देश्य से करें। जहाँ तक चंचल मन की क्षुब्धावस्था का प्रश्न है, वह दो भागों में बाँटी जा सकती है, पहली अविरोध प्रीति या निर्बाध ममता है और दूसरी विरोध युक्त क्रोध है जो निराशा या विफलता जन्य होता है। मायावादियों के सिद्धांतों में आग्रह, कर्मवादियों के सकामकर्मफल में विश्वास, और भौतिक कामनाओं पर आधारित योजनाओं में आस्था रखना अविरोध प्रिति कहलाती है। ज्ञानी कर्मी और भौतिक कामनाओं को लेकर कर्म करने वाले लोग प्राय: सकाम जीवों का ध्यान आकर्षित करते हैं, किंतु जब भौतिकवादी लोग अपनी योजनाओं को पूरा नहीं कर पाते और उनके प्रयत्न विफल हो जाते हैं, तो वे क्रुद्ध हो जाते हैं। भौतिक कामनाओं की विफलता क्रोध उत्पन्न करती है। इसी प्रकार शरीर की आवश्यकतायें तीन भागों में विभाजित की जा सकती हैं, रसना (जीभ) की आवश्यकतायें, उदर की आवश्यकतायें और जनन इंद्रिय की आवश्यकतायें। हम देख सकते हैं कि जहाँ तक शरीर का सम्बध हैये तीनों इन्दियाँ एक सीधी पंक्ति में स्थित हैं और शारीरिक भूख रसना जीह्वा से शुरू होती है। यदि कोई मनुष्य रसना की आवश्यकता को केवल प्रसाद ग्रहण द्वारा नियंत्रित कर ले तो पेट और जननेंद्रिय के आवेग स्वत: नियंत्रित हो जायेंगे। इसलिये भाई-बहनों मनुष्य जन्म बहुत दुर्लभ है इसे व्यर्थ न जाने दें, भगवान् की भक्ति और प्रीति के साथ जीवन को धारण करें।

आयोजकों द्वारा विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। वहीं कुमारी सपना बडोनी को 94 प्रसेन्ट मार्क लाने पर सम्मानित किया गया। आज विशेष संगठन महामंत्री उत्तराखंड अजय, महापौर सुनील उनियाल गामा, पूर्व जिलाध्यक्ष शसमशेर सिंह पुंडीर, पूर्व महानगर अध्यक्ष सिताराम भट्ट, शर्मिला भट्ट, संगीता, कांग्रेस प्रदेश सचिव शान्ती रावत, कांग्रेस के प्रदेश सदस्य अर्जुन सिंह गहरवार, समाज सेवी कृपाल सिंह रावत, समाज सेवी विरेन्द्र मियां रघुवीर सिंह जयाड़ा, पूर्व प्रधान नारायण सिंह पँवार, पूर्व प्रधान सुरेश पुंडीर, मुकेश पुंडीर, ललिता डबराल, सुनिता थापा, ममता, निर्मला गुसाईं आदि उपस्थित रहे।

खाई में गिरा पिकअप वाहन

हमारे संवाददाता

पौड़ी। पिकअप वाहन के खाई में गिर जाने से उसमें सवार चालक सहित दो लोग घायल हो गये। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घायलों को सकुशल रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी हालत स्थिर बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह 108 के माध्यम से कोतवाली पौड़ी के चौकी पाबो को सूचना मिली कि पौड़ी खिर्सू मार्ग पर गौड़ख्या मांडाखाल के समीप एक यूटिलिटी पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गहरी खाई में गिर गई है।

सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंच कर देखा तो पाया कि वाहन 50 मीटर गहरी खाई में गिरा हुआ था, जिसमें दो लोग सवार थे जो गम्भीर घायल थे। जिन्हे पुलिस कार्मिकों द्वारा फायर सर्विस एवं जिला आपदा टीम की सहायता से सकुशल रेस्क्यू कर जिला अस्पताल पौड़ी भेजा गया। जहां उनकी हालत स्थिर बनी हुई है।

घायलों के नाम सर्वर पुत्र जाकिर हुसैन, निवासी भागलपुर, बिहार व देवेन्द्र सिंह पुत्र छौनदाड़ सिंह, निवासी अलकनन्दा विहार, श्रीनगर जनपद पौड़ी गढ़वाल बताये जा रहे है।

स्वामी प्रसाद मौर्य की मुश्किलें बढ़ी, मुकदमा दर्ज

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। स्वामी प्रसाद मौर्य अपने अमर्यादित और आपत्तिजनक बयानों के कारण मुश्किलों में फंसते दिख रहे हैं। अभी 4 दिन पूर्व उनके द्वारा बद्रीनाथ धाम को लेकर जो आपत्तिजनक बयान दिया गया था उसको लेकर हरिद्वार सीजेएम कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराया गया है जिस पर सुनवाई के लिए 4 अगस्त की तारीख तय की गई है।

अधिवक्ता अरुण कुमार भदोरिया द्वारा सीजेएम अदालत में उनके खिलाफ मुकदमा दायर कराते हुए कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उनका कहना है कि बद्रीनाथ धाम जो करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है, के बारे में गलत टीका टिप्पणी कर लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई है। उनके खिलाफ कई धाराओं में दर्ज इस मामले की अब 4 अगस्त को सुनवाई की तारीख तय की गई है जिसमें कोर्ट स्वामी द्वारा दिए गए बयान के आधार पर यह तय करेगा कि उन पर मुकदमा चलना चाहिए या नहीं।

उल्लेखनीय है कि स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा बद्रीनाथ धाम को बौद्ध मठ बताते हुए कहा गया था कि बद्रीनाथ धाम को बौद्ध मठ को तोड़कर बनाया गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व स्वामी प्रसाद मौर्य रामचरित मानस पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विवादों में रह चुके हैं। उनके द्वारा बद्रीनाथ धाम को लेकर दिए गए विवादित बयान पर जहां साधु संतों द्वारा भारी आपत्ति जताई जा चुकी है वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी कहा था कि

विवादित बयान का मामला

स्वामी प्रसाद मौर्य कम से कम अपने नाम की गरिमा का ख्याल रखते। वही बद्री-केदार समिति के अध्यक्ष ने भी कड़ी आपत्ति जताई थी शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने भी कहा था कि उन्हें न तो कोई इतिहास का ज्ञान है न धर्म की जानकारी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।